Daily Current Affairs

Date : 19 January, 2026

UTKARSH CLASSES | CIVIL SERVICES

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	देश में पहली बार 'अमरूद महोत्सव' का आयोजन
2.	भारत रिन्यूएबल एक्सपो – 2026 : जयपुर
3.	महाकवि कन्हैया लाल सेठिया पुरस्कार : यतींद्र मिश्र
4.	चर्चा में 'कुंभलगढ़ वन्यजीव अभयारण्य'
5.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. राजस्थान में संचालित 'एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल' 2. राज उन्नति (RAJ-UNNATI) की प्रथम बैठक 3. जयपुर से 'AI स्किलिंग कार्यक्रम' की शुरुआत 4. सज्जनगढ़ में वन मेला – 2026 5. वर्ल्ड इंटरनेशनल मैथमेटिकल ओलंपियाड (WIMO) में राजस्थान को 2 गोल्ड मेडल 6. शेखावाटी हस्तशिल्प उत्सव – 2026 7. श्री द्वारका प्रसाद अग्रवाल सम्मान : पीयूष मिश्रा 8. स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट : जयपुर 9. FIH से मान्यता प्राप्त उत्तर भारत का पहला हॉकी टर्फ ग्राउण्ड 10. महिला एवं बाल विकास विभाग का विशेष प्रेरणा अभियान 11. 85 नई पंचायत समितियों तथा 3,417 नई ग्राम पंचायतों का गठन 12. राष्ट्रमंडल देशों के संसदीय प्रतिनिधियों का जयपुर प्रवास
6.	कोंडागई अंतर्देशीय झील
7.	आतंकवाद रोधी उपाय : आसियान
8.	तीसरे वैश्विक रणनीतिक ध्रुव का उदय
9.	चाबहार बंदरगाह
10.	IMD और मिशन मौसम
11.	स्टार्टअप इंडिया पहल
12.	रिज़र्व बैंक – एकीकृत ओम्बड्समैन योजना (RB-IOS) – 2006
13.	केंद्रीय सतर्कता आयोग (CVC)
14.	न्यायाधीश: सर्वोच्च न्यायालय
15.	WEF: ग्लोबल रिस्क रिपोर्ट, 2026

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

देश में पहली बार 'अमरूद महोत्सव' का आयोजन

चर्चा में क्यों?

- 18 और 19 जनवरी, 2026 को सवाई माधोपुर में देश में पहली बार 'अमरूद महोत्सव' का आयोजन किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **उद्घाटन :** लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा द्वारा।
- **आयोजन स्थल :** दशहरा मैदान, सवाई माधोपुर।
- **आयोजक :** सवाई माधोपुर जिला प्रशासन तथा कृषि एवं उद्यानिकी विभाग, राजस्थान।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- इस महोत्सव का आयोजन सवाई माधोपुर के 263वें स्थापना दिवस के अवसर पर किया गया।
- **अमरूद प्रोसेसिंग प्लांट :** राजस्थान में कुल 14,000 हैक्टेयर अमरूद के बगीचों में से 11,000 हैक्टेयर बगीचे केवल सवाई माधोपुर में स्थित है। इसी के मद्देनज़र राज्य सरकार द्वारा ₹150 करोड़ की लागत से सवाई माधोपुर में अमरूद प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित किया जाएगा।
- **अमरूद का वैज्ञानिक नाम :** सिडियम गुआजावा (Psidium guajava)
- अमरूद में उच्च मात्रा में आहार फाइबर पाया जाता है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

कृषि तकनीकी मेला – 2026

- 18 जनवरी, 2026 को राजस्थान के कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा द्वारा सवाई माधोपुर में कृषि तकनीकी मेला – 2026 का शुभारंभ किया गया।
- **आयोजक :** जिला प्रशासन तथा कृषि एवं उद्यानिकी विभाग, राजस्थान।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारत रिन्यूएबल एक्सपो – 2026 : जयपुर

चर्चा में क्यों?

- 16 से 18 जनवरी, 2026 तक जयपुर में भारत रिन्यूएबल एक्सपो – 2026 का आयोजन किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **आयोजन स्थल :** वीटी ग्राउंड, मानसरोवर, जयपुर।
- **आयोजक :** राजस्थान सोलर एसोसिएशन।
- **संस्करण :** तीसरा।
- **ब्रांड एम्बेसडर :** पैरा-ओलंपियन देवेन्द्र झाझड़िया।
- इस एक्सपो के दौरान PM सूर्यघर मुफ़्त बिजली योजना में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले व्यक्तियों को 'सूर्यघर योद्धा अवॉर्ड्स 2026' से सम्मानित किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- **सौर ऊर्जा क्षमता में राजस्थान की हिस्सेदारी :** दिसंबर, 2025 तक देश की कुल सौर ऊर्जा क्षमता में राजस्थान की हिस्सेदारी 27.2 प्रतिशत और अक्षय ऊर्जा में कुल हिस्सेदारी 16.43 प्रतिशत है।
- **स्थापित अक्षय ऊर्जा क्षमता :** राज्य की वर्तमान स्थापित अक्षय ऊर्जा क्षमता 41,189 मेगावाट (MW) तथा सौर ऊर्जा क्षमता 35,337 मेगावाट (MW) है।
- **राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति, 2024 :** वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में योगदान देना।
- राष्ट्रीय FLS रैंकिंग में पीएम-कुसुम योजना (कंपोनेन्ट - A) में राजस्थान का देश भर में प्रथम स्थान है। वहीं, पीएम-कुसुम योजना (कंपोनेन्ट B & C) में तृतीय स्थान है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महाकवि कन्हैया लाल सेठिया पुरस्कार : यतींद्र मिश्र

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, कवि, संपादक और संगीत अध्येता यतींद्र मिश्र को 11वें महाकवि कन्हैया लाल सेठिया पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **सम्मान समारोह :** 19वें जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में।
- **कृति :** यतींद्र मिश्र को उनके काव्य संग्रह 'बिना कलिंग विजय' के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया।
- **विमोचन :** इस सम्मान समारोह के दौरान कन्हैयालाल सेठिया की पुस्तक 'पंख दिए आकाश न दोगे' का विमोचन किया गया। इस पुस्तक में सेठिया की प्रतिनिधि रचनाओं को शामिल किया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **नोट :** वर्ष 2025 में कवि बद्री नारायण को उनके साहित्यिक योगदान के लिए 10वें महाकवि कन्हैया लाल सेठिया पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

कन्हैयालाल सेठिया

- लोकप्रिय गीत 'धरती धोरां री' और अमर लोकप्रिय गीत 'पाथल और पीथल' के रचयिता साहित्यकार कन्हैयालाल सेठिया का जन्म 11 सितम्बर, 1919 को सुजानगढ़ (चूरू) में हुआ।
- वर्ष 1941 में उनका पहला काव्य संग्रह 'वनफूल' प्रकाशित हुआ। देशप्रेम और राष्ट्रीयता से ओतप्रोत काव्य संग्रह 'अग्निवीणा' (1942) के कारण इन पर राजद्रोह का आरोप लगा।
- वे भारत छोड़ो आन्दोलन में भी सक्रिय रहे तथा वर्ष 1945 में बीकानेर प्रजा परिषद के प्रमुख कार्यकर्त्ता के रूप में उन्होंने सामंतवाद का विरोध करते हुए 'कुण जमीन रो धणी' कविता के माध्यम से कृषक समुदाय को जागृत किया।
- उन्होंने राजस्थान एकीकरण के दौरान आबू को राजस्थान में सम्मिलित करवाने के लिए संघर्ष किया।
- सेठिया ने राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता दिलाने की दिशा में भी अथक प्रयास किया।

पुरस्कार:

- वर्ष 1976 में कृति 'लीलटांस' के लिए केन्द्रीय साहित्य अकादमी नई दिल्ली द्वारा पुरस्कृत।
- वर्ष 1988 में 'निर्ग्रन्थ' के लिए मूर्तिदेवी पुरस्कार।
- वर्ष 1987 में 'सबद' के लिए सूर्यमल्ल मीसण पुरस्कार तथा 'सतवादी' के लिए टांटिया पुरस्कार।
- वर्ष 2004 में उन्हें 'पद्मश्री' एवं 2012 में 'राजस्थान रत्न' सम्मान (मरणोपरांत) से सम्मानित किया गया।
- **निधन :** 1 नवम्बर, 2008 को कोलकाता में।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

चर्चा में 'कुंभलगढ़ वन्यजीव अभयारण्य'

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने कुंभलगढ़ वन्यजीव अभयारण्य के चारों ओर फैले 1 किलोमीटर के क्षेत्र को पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्र (ESZ) घोषित किया।

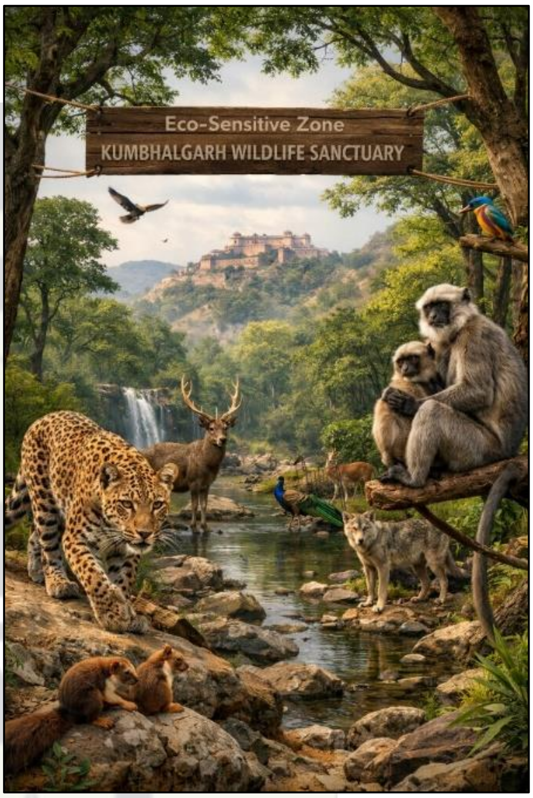

मुख्य बिन्दु:

- नए नियमों के अनुसार अभयारण्य की सीमा से सटे 243 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में स्थित 94 गाँवों में औद्योगिक और वाणिज्यिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लग गया है।
- कुंभलगढ़ अभयारण्य राजसमंद, पाली और उदयपुर में विस्तृत है जो बनास और लूणी नदी प्रणालियों का जलग्रहण क्षेत्र है।
- **उद्देश्य :** इस क्षेत्र की दुर्लभ वनस्पतियों और वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और प्राकृतिक संतुलन बनाए रखना।

पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्र (ESZ):

- संरक्षित क्षेत्रों में जैव विविधता के प्रबंधन और संरक्षण के लिए केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय संरक्षित क्षेत्रों के निकट क्षेत्र को 'पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों (ESZ)' के रूप में अधिसूचित करता है।
- राज्य सरकार के प्रस्तावों और सिफारिशों के आधार पर मंत्रालय पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अंतर्गत ESZ को अधिसूचित करता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **संकल्पना :** पारि-संवेदनशील क्षेत्र (ESZ) की संकल्पना जनवरी, 2002 को आयोजित भारतीय वन्यजीव बोर्ड की बैठक के दौरान की गई थी, जब वन्यजीव संरक्षण रणनीति, 2002 को अपनाया गया।
- **ESZ का विनियमन :** पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) द्वारा।

उद्देश्य:

- पारि-संवेदनशील क्षेत्र का संरक्षण और मानवजनित गतिविधियों के कारण होने वाले पर्यावरण क्षरण को रोकना।
- विशेष पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बैरियर या शॉक ऑब्जर्वर का निर्माण करना।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- **कुंभलगढ़ टाइगर रिज़र्व (प्रस्तावित) :** राजस्थान के छठे टाइगर रिज़र्व के रूप में प्रस्तावित है, जिसमें राजसमंद और उदयपुर जिलों के क्षेत्र शामिल होंगे।
- **कुंभलगढ़ महोत्सव :** राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा राजसमंद में स्थित कुंभलगढ़ किले में 1 से 3 दिसंबर, 2026 तक आयोजित किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**राजस्थान में संचालित 'एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल'** ■ वर्तमान में (जनवरी, 2026) राजस्थान स्टेट एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल सोसायटी द्वारा राज्य में 31 एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूलों (EMRS) का संचालन किया जा रहा है। ■ **31वाँ और नवीनतम EMRS :** जमवारामगढ़ (जयपुर) में जून, 2025 में प्रारंभ। ■ राज्य में सभी EMRS विद्यालयों में कक्षा 6 से 12 तक कक्षाएं (CBSE से संबद्ध) संचालित होती हैं। कक्षा 11 एवं 12 में विज्ञान और कला संकाय उपलब्ध हैं।
2.	**राज उन्नति (RAJ-UNNATI) की प्रथम बैठक** ■ 17 जनवरी, 2026 को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में जयपुर में 'राज उन्नति' प्लेटफॉर्म की प्रथम बैठक आयोजित हुई। ■ PM-PRAGATI की तर्ज पर राजस्थान में योजनाओं की सख्त मॉनिटरिंग के लिए 'RAJ-UNNATI' प्लेटफ़ॉर्म का विकास किया गया है। ■ PM-PRAGATI (Pro-Active Governance And Timely Implementation) को वर्ष 2015 में केंद्र सरकार ने शुरू किया था, ताकि परियोजनाओं, योजनाओं और जन शिकायतों को टेक्नोलॉजी-आधारित मॉनिटरिंग और समयबद्ध समाधान के साथ लागू किया जा सके।
3.	**जयपुर से 'AI स्किलिंग कार्यक्रम' की शुरुआत** ■ 6 जनवरी, 2026 को केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देश भर के दस लाख युवाओं को AI स्किलिंग प्रदान करने के उद्देश्य से जयपुर से एक AI स्किलिंग कार्यक्रम की शुरुआत की। ■ संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) द्वारा वर्ष 2014 में प्रतिवर्ष 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा की गई।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

4.	**सज्जनगढ़ में वन मेला – 2026** ■ **आयोजन :** 17 – 18 जनवरी, 2026 को सज्जनगढ़ (उदयपुर) में। ■ **आयोजक :** वन विभाग, राजस्थान। ■ **उद्देश्य :** वन उत्पादों को प्रोत्साहन देना एवं ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाना। **सज्जनगढ़ वन्यजीव अभयारण्य:** ■ **अवस्थिति :** उदयपुर के सज्जनगढ़ पैलेस के पास स्थित है, जिसे 'मानसून पैलेस' के रूप में भी जाना जाता है। ■ **घोषणा/स्थापना :** वर्ष 1987 में। ■ **वनस्पति :** शुष्क पर्णपाती वन, जिसमें एनोगेइसस पेंडुला, बोसवेलिया सेराटा, अकेशिया सेनेगल और अकेशिया ल्यूकोफ्लोआ आदि प्रमुख है। इस क्षेत्र में दुर्लभ और लुप्तप्राय पौधों की प्रजातियाँ कॉमिफेरा व्हाइटी, जिसे स्थानीय रूप से "गुगल" के नाम से जाना जाता है, प्रचुर मात्रा में पाई जाती हैं।
5.	**वर्ल्ड इंटरनेशनल मैथमेटिकल ओलंपियाड (WIMO) में राजस्थान को 2 गोल्ड मेडल** ■ शेनझेन (चीन) में आयोजित वर्ल्ड इंटरनेशनल मैथमेटिकल ओलंपियाड (WIMO) में जयपुर के राजवीर माहेश्वरी और अरमान अग्रवाल ने स्वर्ण पदक जीता। ■ प्रतियोगिता का आयोजन 3 जनवरी, 2026 को हुआ।

UTKARSH CLASSES उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

6.	**शेखावाटी हस्तशिल्प उत्सव – 2026** ■ नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने 17 जनवरी, 2026 को 'शेखावाटी हस्तशिल्प उत्सव – 2026' का उद्घाटन किया। ■ **आयोजक :** जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र तथा जिला प्रशासन, सीकर। ■ **आयोजन :** 17 से 25 जनवरी, 2026 तक। ■ सीकर जिले के पंच गौरव : एक जिला एक उत्पाद (लकड़ी का फर्नीचर), खेल (बास्केटबॉल), उपज (प्याज), पर्यटन स्थल (खाटू श्यामजी) तथा वनस्पति (अरडू)।
7.	**श्री द्वारका प्रसाद अग्रवाल सम्मान : पीयूष मिश्रा** ■ अभिनेता, गायक और लेखक पीयूष मिश्रा को 'दैनिक भास्कर' समूह द्वारा प्रतिष्ठित 'श्री द्वारका प्रसाद अग्रवाल सम्मान' से सम्मानित किया गया। ■ **समारोह :** जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल (JLF) के दौरान।
8.	**स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट : जयपुर** ■ जयपुर के सवाई मान सिंह (SMS) मेडिकल कॉलेज में प्रदेश का पहला स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (SCI) निर्मित किया जा रहा है। ■ राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ साईंसेज (RUHS) का उन्नयन कर जयपुर में RIMS की स्थापना की जाएगी जिसके संदर्भ में वर्ष 2024-25 के राज्य बजट में घोषणा की गई थी। स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट, जयपुर को भी RIMS में समाहित करना प्रस्तावित है।
9.	**FIH से मान्यता प्राप्त उत्तर भारत का पहला हॉकी टर्फ ग्राउण्ड** ■ भीलवाड़ा के फूलियाकला में अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) द्वारा मान्यता प्राप्त उत्तर भारत का पहला और एकमात्र हॉकी टर्फ ग्राउण्ड स्थित है। ■ इसका निर्माण गाँव के भामाशाह सत्यनारायण लड्ढा द्वारा करवाया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

10.	**महिला एवं बाल विकास विभाग का विशेष प्रेरणा अभियान** ■ राजस्थान महिला एवं बाल विकास विभाग ने 19 जनवरी, 2026 से पोषण ट्रैकर पर पंजीकृत 6 साल तक के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं की आभा आईडी (डिजिटल हेल्थ आईडी) बनाने के लिए एक विशेष प्रेरणा अभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य सभी लाभार्थियों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड को डिजिटाइज़ करना और उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना है। ■ पोषण ट्रैकर ऐप केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की एक महत्त्वपूर्ण पहल है। इसका मुख्य उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों की गतिविधियों की निगरानी करना और बच्चों, गर्भवती महिलाओं व स्तनपान कराने वाली माताओं के पोषण स्तर को सुधारना है।
11.	**85 नई पंचायत समितियों तथा 3,417 नई ग्राम पंचायतों का गठन** ■ राजस्थान सरकार द्वारा पंचायतीराज संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु नवगठित आठ जिलों में नई जिला परिषदों का गठन किया गया है। ■ साथ ही, पंचायतीराज के पुनर्गठन के तहत 85 नई पंचायत समितियाँ और 3,417 नई ग्राम पंचायतें बनाई गई हैं।
12.	**राष्ट्रमंडल देशों के संसदीय प्रतिनिधियों का जयपुर प्रवास** ■ नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के अध्यक्षों एवं पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन (CSPOC) के दौरान विभिन्न देशों के प्रतिनिधि हाल ही में जयपुर के दो दिवसीय प्रवास पर आए।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

कोंडागई अंतर्देशीय झील

चर्चा में क्यों?

- एक नए अध्ययन में 'प्रायद्वीपीय भारत के सबसे विस्तृत जलवायु अभिलेखों में से एक का खुलासा हुआ है जो तमिलनाडु के शिवगंगा के बाहरी क्षेत्र में स्थित साधारण सी कोंडागई अंतर्देशीय झील के नीचे संरक्षित है।
- तमिलनाडु के आंतरिक हिस्सों में मल्टी प्रॉक्सी झील रिकॉर्डस कमी रही है, जबकि यह क्षेत्र उत्तर-पूर्वी मानसून के प्रति अति संवेदनशील है।

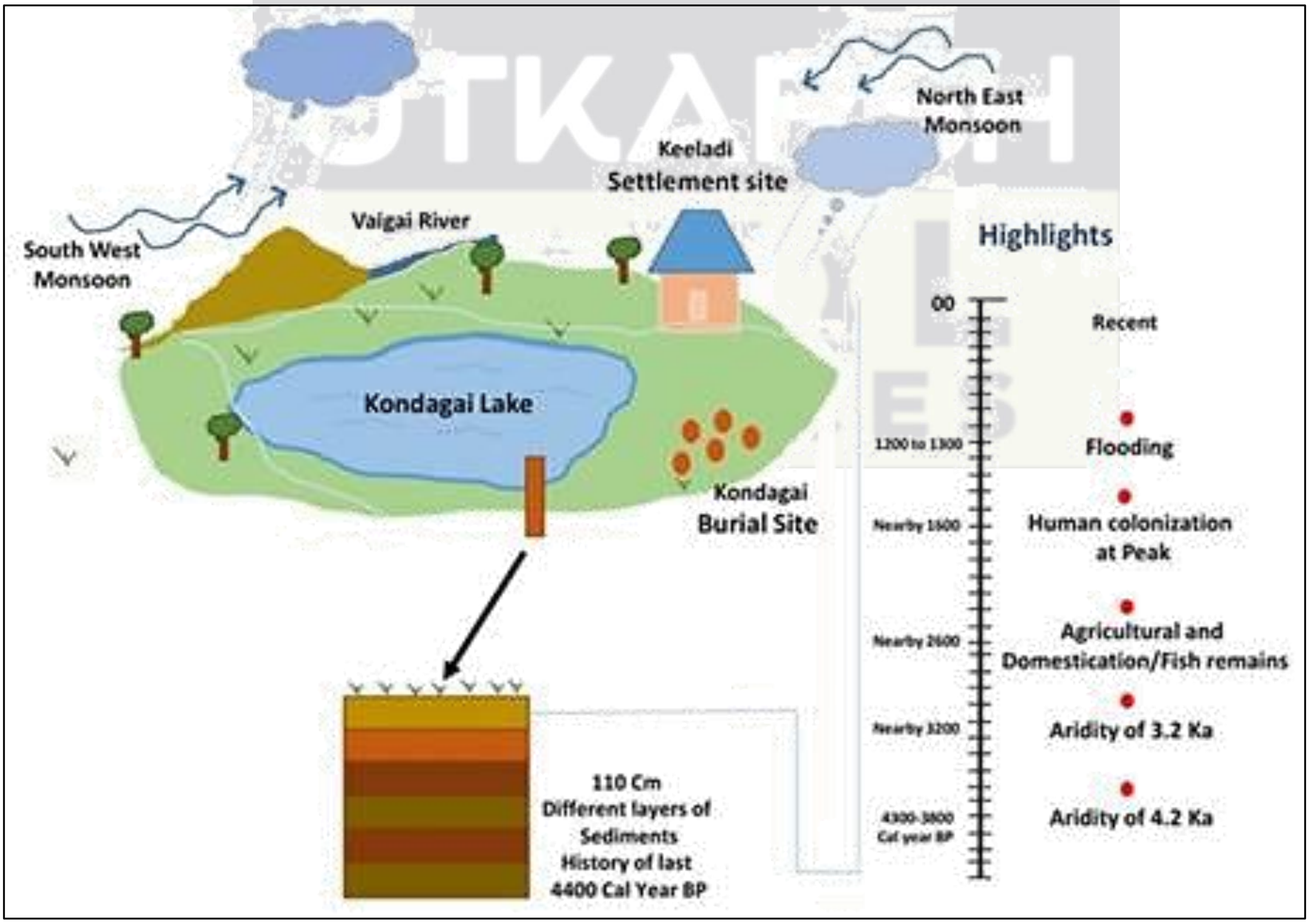

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- **शोधकर्त्ता :** बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान (BSIP), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग।

शोध स्थल; कोंडागई झील :

- कीलाड़ी, तमिलनाडु में स्थित है।
- संगम कालीन परिष्कृत शहरी सभ्यता साक्ष्यों के लिए प्रसिद्ध पुरातात्विक स्थल है।
- यह संभवत: छठी शताब्दी ईसा पूर्व (या उससे पहले) की है।

शोध:

- प्राचीन बस्तियों में स्थित यह झील अतीत में मानसून की परिवर्तनशीलता, इकोसिस्टम की प्रतिक्रियाएँ और मानव विकास के साथ उनके संबंधों को समझने का एक दुर्लभ अवसर प्रदान करती है।
- एकत्र 32 नमूनों को स्थिर समस्थानिक विश्लेषण, पराग अध्ययन, कण आकार माप और रेडियोकार्बन डेटिंग जैसी तकनीकों के संयोजन का उपयोग करके शोधकर्ताओं ने अतीत की वर्षा, वनस्पति, झील स्तर और बाढ़ की घटनाओं का असाधारण सटीकता के साथ पुनर्निर्माण किया।
- तमिलनाडु के अंतर्देशीय क्षेत्र से उत्तर होलोसीन काल की जलवायु और झील-इकोसिस्टम गतिकी के इस पहले उच्च रिज़ॉल्यूशन, मल्टीप्रॉक्सी पुनर्निर्माण के माध्यम से होलोसीन पत्रिका में प्रकाशित शोध ने लगभग पिछले 4500 वर्षों में 3 अलग-अलग जलवायु चरणों की पहचान की है। इसने 4.2 हजार वर्ष पहले की शुष्क घटना, 3.2 हजार वर्ष पहले के शुष्क चरण और रोमन उष्ण काल का दस्तावेजीकरण किया है और इस क्षेत्र में मानसून की परिवर्तनशीलता, झील जल विज्ञान और मानव गतिविधियों से उनके प्रत्यक्ष संबंधों को स्थापित किया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्व:

1. यह क्षेत्रीय जलवायु पूर्वानुमान को मजबूत करने व भविष्य के सूखे और अत्यधिक वर्षा जैसी घटनाओं का अनुमान लगाने में सहायता करता है।
2. इससे तमिलनाडु जैसे जलवायु संवेदनशील क्षेत्र में मानसून पूर्वानुमान मॉडल को बेहत्तर बनाया जा सकता है।
3. शिवगंगा और मदुरै जैसे सूखाग्रस्त जिलों में जल संसाधन प्रबंधन को मजबूत किया जा सकेगा।
4. प्राचीन बाढ़ निक्षेपों, स्थानीय तलछट प्रवाह और भूमि अस्थिरता के चरणों की पहचान करके यह अध्ययन जोखिम संबंधी मानचित्रण और आपदा तैयारियों में योगदान देता है।
5. झील के जलस्तर में पिछले उतार-चढ़ाव, गाद प्रवाह और जल विज्ञान संबंधी परिवर्तनों की जानकारी टिकाऊ जलाशय पुनर्स्थापना और भूजल पुनर्भरण योजना, तालाबों के पुनर्वास और जलवायु अनुकूल कृषि, जल उपयोग में मार्गदर्शन प्रदान करती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

आतंकवाद रोधी उपाय : आसियान

चर्चा में क्यों?

- आतंकवाद रोधी उपायों पर दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन - आसियान के रक्षा मंत्रियों और आतंकवाद से निपटने की तैयारी संबंधी अंतिम कार्य योजना पर विशेषज्ञ कार्य- समूह - ADMM प्लस की 16वीं बैठक 14 से 16 जनवरी, 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित की गई।

मुख्य बिन्दु:

16वीं विशेषज्ञ कार्य समूह बैठक :

- सहअध्यक्षता : भारत व मलेशिया द्वारा।
- यह वर्ष 2024 से वर्ष 2027 के मौजूदा चक्र की तीसरी बैठक है।
- 11 आसियान सदस्य देश (ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओ PDR, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, वियतनाम, सिंगापुर, थाईलैंड और तिमोर लेस्ते)
- 7 संवाद साझेदार देश (ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन, अमेरिका व रूस) ने भाग लिया।
- ADMM प्लस सहभागी देशों के रक्षा प्रतिष्ठानों के मध्य व्यावहारिक सहयोग मंच है।
- अभी यह सहयोग 7 क्षेत्रों पर केंद्रित है;

  1. समुद्री सुरक्षा
  2. आतंकवाद रोधी अभियान

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

3. मानवीय सहायता और आपदा राहत
4. शांतिरक्षा अभियान
5. सैन्य चिकित्सा
6. मानवीय बारूदी सुरंग कार्यवाही
7. साइबर सुरक्षा

- **आपदा स्थिति या संकर का सामना संबंधी-टेबल टॉप एक्सरसाइज:** मलेशिया वर्ष 2026 में विशेषज्ञ कार्य समूह की अगली बैठक के दौरान टेबल टॉप की मेजबानी करेगा तथा इसके बाद भारत वर्ष 2027 में फील्ड प्रशिक्षण अभ्यास आयोजित करेगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

तीसरे वैश्विक रणनीतिक ध्रुव का उदय

चर्चा में क्यों?

- रूस के घटते प्रभाव और संयुक्त राज्य अमेरिका की बढ़ती अप्रत्याशितता के दौर में, वैश्विक भू-राजनीति में एक "तीसरे ध्रुव" की अवधारणा ने प्रमुख प्राप्त कर ली है।

मुख्य बिन्दु:

- यह अवधारणा भारत के जर्मनी, फ्रांस (और विस्तार द्वारा यूरोप) तथा अन्य मध्यवर्ती शक्तियों के साथ एक रणनीतिक जुड़ाव को संदर्भित करती है।
- **बहुध्रुविय विश्व व्यवस्था:** यह तीसरा वैश्विक शक्ति केन्द्र एक बहुध्रुविय विश्व व्यवस्था को जन्म दे सकता है। यह विश्व व्यवस्था रणनीतिक स्वायत्तता, आर्थिक खुलापन, तकनीकी सहयोग, लोकतांत्रिक मानदंडों और नियम आधारित वैश्विक शासन के साझा मूल्यों पर आधारित होगी।

भारत तीसरे वैश्विक ध्रुव से कैसे लाभ प्राप्त कर सकता है-

1. रणनीतिक साझेदारी का विविधिकरण अर्थात् किसी एक शक्ति गुट पर निर्भरता को कम करना।
2. **आर्थिक लचीलापन:** युरोपीय संघ, दक्षिण-दक्षिण आर्थिक सहयोग व अन्य मध्यवर्ती शक्तियों के साथ मिलकर वैश्विक आर्थिक संरचना को आकार देना।
3. **औद्योगिक तंत्र को मजबूत करना:** रक्षा, प्रौद्योगिकी, अन्य आपूर्ति श्रृंखलाओं में सह-उत्पादन के माध्यम से।
4. **वैश्विक शासन में अभिव्यक्ति:** संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद्, विश्व व्यापार संगठन, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक के पुनर्गठन के लिए दबाव डालना।
5. जलवायु वित्त, ऋण राहत, विकासात्मक न्याय आदि के क्षेत्र में ग्लोबल साउथ के नेतृत्व का समर्थन करना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

चाबहार बंदरगाह

चर्चा में क्यों?

- अमेरिका द्वारा ईरान पर बनाए जा रहे दबाव के बीच, भारत ईरान के चाबहार बंदरगाह में अपनी उपस्थिति बनाए रखने के विकल्पों पर विचार कर रहा है।

मुख्य बिन्दु:

अतिरिक्त जानकारी:

- यह ईरान के सिस्तान और बलुचिस्तान प्रांत में ओमान की खाड़ी के तट पर स्थित है।
- यह ईरान का एकमात्र डीप-सी बंदरगाह है जो सीधे हिन्द महासागर से जुड़ा है।
- चाबहार बंदरगाह परियोजना में दो मुख्य टर्मिनल है – शाहिद बेहिश्ती और शाहिद कलंतरी।
- यह बंदरगाह अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (INSTC) का एक अभिन्न हिस्सा है।
- INSTC एक मल्टी मॉडल गलियारा है। यह भारत को ईरान और कैस्पियन सागर के माध्यम से रूस और यूरोप से जोड़ता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भूगोल

IMD और मिशन मौसम

चर्चा में क्यों?

- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने 4 प्रमुख महानगरों में 200 स्वचालित मौसम स्टेशनों की तैनाती के साथ अपना 151वाँ स्थापना दिवस मनाया। यह पहल मिशन मौसम के अनुरूप है।

मुख्य बिन्दु:

मिशन मौसम:

- यह भारत के मौसम और जलवायु से संबंधित विज्ञान, अनुसंधान एवं सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए एक बहुआयामी पहल है।

कार्यान्वयन:

- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग।
- भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM-पुणे)।
- मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान के लिए राष्ट्रीय केन्द्र-(NCMRWF - नोएडा)

भारत मौसम विज्ञान विभाग:

- **स्थापना:** वर्ष 1875
- **मंत्रालय:** पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय।
- **मुख्यालय:** नई दिल्ली
- **कार्य:** मौसम संबंधि जानकारी का पूर्वानुमान लगाना तथा गंभीर मौसम की घटनाओं के विरूद्ध चेतावनी जारी करना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आर्थिक परिदृश्य

स्टार्टअप इंडिया पहल

चर्चा में क्यों?

- 16 जनवरी, 2026 को राष्ट्रीय स्टार्टअप इंडिया मिशन का एक दशक पूर्ण हो गया है।

मुख्य बिन्दु:

- **शुरुआत :** 16 जनवरी, 2016 (राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस ; 16 जनवरी)।
- **कार्यान्वयन :** उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) के अंतर्गत स्टार्टअप इंडिया टीम द्वारा।
- **उद्देश्य :** नवाचार व उद्यमिता को बढ़ावा देकर निवेश को सक्षम बनाकर आर्थिक विकास को गति प्रदान करना, जिससे रोजगार सृजन हो सके।

  विचार निर्माण → इनक्यूबेशन → फंडिंग → मेंटरशिप → स्केलिंग तक संपूर्ण चक्र में सहायता प्रदान करना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

प्रमुख सहायक स्तंभ :

1. **स्टार्टअप्स हेतु फंड ऑफ फंड्स (FFS) :** घरेलू जोखिम पूँजी विस्तार हेतु 10,000 करोड़ रुपये के FFS का गठन किया गया, जिसका प्रबंधन स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया (SIDBI) द्वारा किया जाता है।
2. **स्टार्टअप्स रैंकिंग:** राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को स्टार्टअप अनुकूल नीतियों और उनके कार्यान्वयन के आधार पर मूल्यांकन करता है।
3. **स्टार्टअप इंडिया हब:** एक डिजिटल प्लेटफॉर्म जो स्टार्टअप्स को निवेशकों, सलाहकारों, इनक्यूबेटरों, शैक्षणिक संस्थानों, कॉर्पोरेटस और सरकारी निकायों से जोड़ता है।
4. **स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम (SISFS) :** यह 945 करोड़ रुपये का कोष है जो अवधारणा के प्रमाण, प्रोटोटाइपिंग और बाजार में निवेश जैसे प्रारंभिक चरण की आवश्यकताओं हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
5. **स्टार्टअप हेतु ऋण गारंटी योजना :** राष्ट्रीय क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी (NCGTC) द्वारा संचालित जो पात्र वित्तीय संस्थानों के माध्यम से स्टार्टअप्स को बिना किसी गारंटी के ऋण उपलब्ध कराती है।

डिजिटल इंडिया मिशन की उपलब्धियाँ (दिसंबर, 2025 तक):

1. **स्टार्टअप :** वर्ष 2025 में लगभग 44,000 स्टार्टअप पंजीकृत हुए हैं।

- 2 लाख से अधिक DPIIT मान्यता प्राप्त स्टार्टअप है ।

2. **स्टार्टअप केन्द्र :** बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली जैसे प्रमुख केंद्र किन्तु अब लगभग 50% स्टार्टअप टियर II और टियर III शहरों से उत्पन्न हो रहे है जो स्टार्टअप के विकेन्द्रीकरण को दर्शाता है।
3. **यूनिकॉन (स्टार्टअप जिसका मूल्य 1 बिलियन डॉलर या उससे अधिक हो):** वर्ष 2014 में 4 यूनिकॉर्न से बढ़कर वर्ष 2025 तक 120 से अधिक हो गए हैं जिनका संयुक्त मूल्य 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारत में 'स्टार्टअप के समक्ष चुनौतियाँ:

1. बुनियादी ढाँचे की कमी (कमजोर कनेक्टिविटी, लागत > आपूर्ति, लॉजिस्टिक लागत अधिक
2. अपर्याप्त अनुसंधान व नवाचार (उपभोक्ता केन्द्रित पूर्वाग्रह, AI, इलेक्ट्रिक वाहन, सेमीकंडक्टर जैसे तकनीकी क्षेत्र अविकसित)
3. वित्तीय संसाधन का अभाव (फंडिंग की कमी, प्रतिस्पर्धा, प्रारंभिक अवस्था में ही बंद होना)

UTKARSH CIVIL SERVICES

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

रिज़र्व बैंक – एकीकृत ओम्बड्समैन योजना (RB-IOS) – 2006

चर्चा में क्यों?

- भारतीय रिज़र्व बैंक ने रिज़र्व बैंक – एकीकृत ओम्बड्मैन योजना (RB-IOS) – 2026 जारी की। यह संशोधित योजना RBI – विनियमित संस्थाओं द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं से संबंधित ग्राहकों की शिकायतों के समाधान के लिए बनाई गई है। यह 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी होगी।

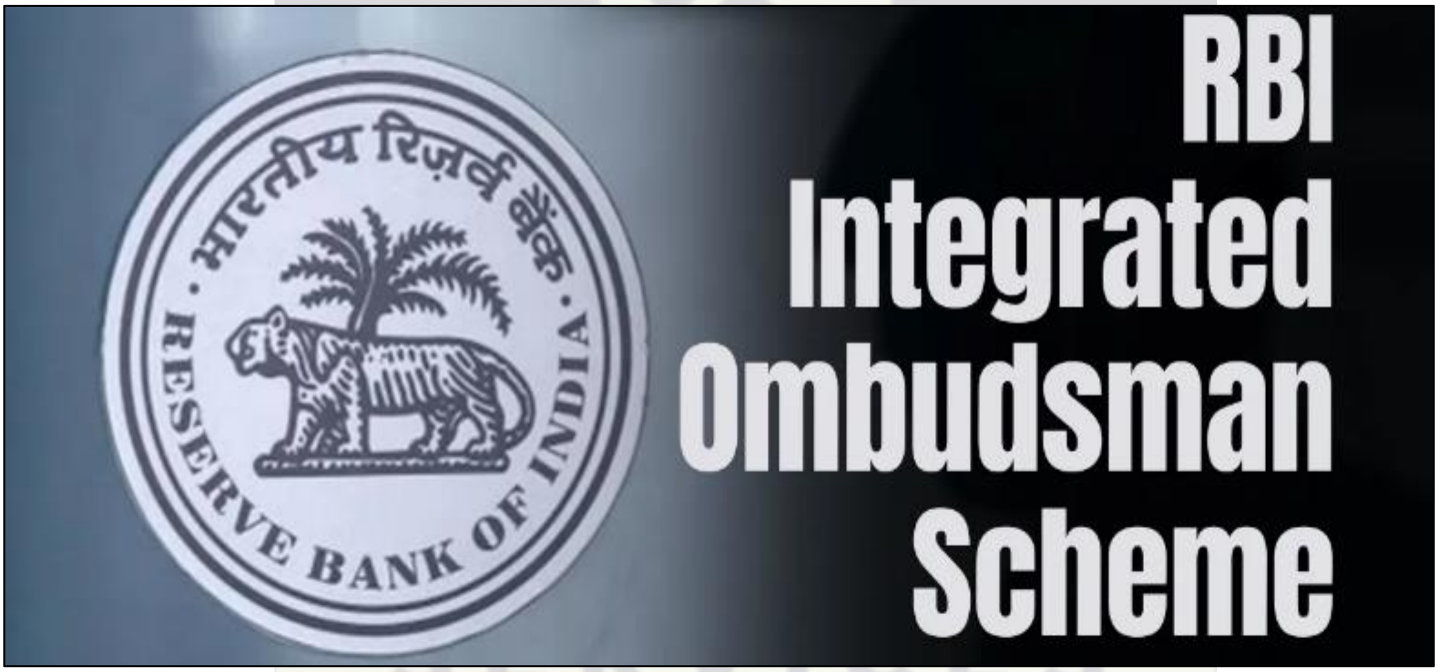

मुख्य बिन्दु:

योजना की मुख्य विशेषताएँ:

- **उद्देश्य:** RBI द्वारा विनियमित संस्थाओं के खिलाफ त्वरित, लागत प्रभावी तथा वैकल्पिक शिकायत निवारण तंत्र की स्थापना।
- **RBI ओम्बड्मैन:** RBI अपने एक या अधिक अधिकारियों को RBI ओम्बड्मैन और RBI डिप्टी ओम्बड्मैन नियुक्त कर सकता है। सामान्यत: इनकी नियुक्ति 3 वर्ष की अवधि के लिए होगी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- शिकायतों की प्राप्त करने और उनकी जाँच करने के लिए RBI एक केन्द्रीकृत प्राप्ति और प्रसंस्करण केन्द्र (CRPC) स्थापित करेगा।

ओम्बड्समैन की शक्तियाँ:

- RBI ओम्बड्मैन के पास लाए जाने वाले विवाद की राशि पर कोई सीमा नहीं है।
- ओम्बड्मैन के पास 30 लाख रुपये तक का मुआवजा प्रदान करने की शक्ति है।
- **अपील:** विनियमित संस्था या शिकायतकर्ता निर्णय के विरुद्ध 30 दिनों के भीतर अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर कर सकता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजव्यवस्था

केंद्रीय सतर्कता आयोग (CVC)

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, प्रवीण वशिष्ठ (बिहार कैडर, 1991 बैच) को केंद्रीय सतर्कता आयोग में सतर्कता आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया है और इन्होनें 16 जनवरी, 2026 को शपथ ली।

मुख्य बिन्दु:

- **स्थापना:** वर्ष 1964 में भारत सरकार के कार्यकारी संकल्प के रूप में।
- **स्थिति:** केंद्रीय सतर्कता आयोग अधिनियम, 2003 द्वारा वैधानिक दर्जा प्रदान किया।
- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :** संथानम समिति (1962-64) की सिफारिशों पर।
- **संरचना:** 1 अध्यक्ष (केंद्रीय सर्तकता आयुक्त) + 2 सदस्य (अन्य सर्तकता आयुक्त)
- **नियुक्ति:** राष्ट्रपति द्वारा उच्च स्तरीय समिति की सिफारिश पर।
- **कार्यकाल:** 4 वर्ष/65 वर्ष (जो भी पहले हो)।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

संगठनात्मक संरचना:

- **सचिव के नेतृत्व में सचिवालय, जिसमें सहायक अधिकारी होते हैं।**
- **मुख्य तकनीकी परीक्षक विंग (CTE) द्वारा निर्माण अनुबंधों के तकनीकी पहलुओं की जाँच करना।**
- **विभागीय जाँच आयुक्त (CDI): अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाँचकर्त्ता।**

अधिकार क्षेत्र:

1. **आखिल भारतीय सेवाएँ और केंद्र सरकार के समूह 'A' अधिकारी।**
2. **केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, RBI, नाबार्ड सिडबी, LIC, सामान्य बीमा कंपनियाँ और केंन्द्र सरकार द्वारा निर्दिष्ट समितियाँ व स्वायत्त निकाय के वरिष्ठ अधिकारी।**
3. **भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के अंतर्गत आने वाले अपराधों से संबंधित CBI जाँचों पर पर्यवेक्षण का कार्य।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यायाधीश: सर्वोच्च न्यायालय

चर्चा में क्यों?

- उच्चतम न्यायालय ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को पद से हटाने के लिए लोकसभा अध्यक्ष द्वारा जाँच समिति के गठन के निर्णय को बरकरार रखा।

मुख्य बिन्दु:

- न्यायालय ने टिप्पणी की, कि किसी एक सदन (लोकसभा या राज्यसभा) में न्यायाधीश के खिलाफ प्रस्ताव का खारिज होना, दूसरे सदन को जाँच आगे बढ़ाने और जाँच समिति गठित करने के लिए अक्षम नहीं बनाता है।

न्यायाधीशों को पद से हटाना: संवैधानिक प्रावधान:

- **अनुच्छेद 124 और 218:** क्रमश: उच्चतम न्यायालय तथा उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को पद से हटाने से संबंधित है।
- **हटाने का आधार:** सिद्ध कदाचार और अक्षमता – हालांकि इन शब्दों को संविधान में परिभाषित नहीं किया गया है।
- **प्रक्रिया:-** इसे न्यायाधीश जाँच अधिनियम-1968 द्वारा विनियमित किया जाता है।
- **नोट:** संविधान में न्यायाधीशों को पद से हटाने के लिए महाभियोग शब्द का उल्लेख नहीं किया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

WEF: ग्लोबल रिस्क रिपोर्ट, 2026

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, विश्व आर्थिक मंच (WEF) द्वारा जारी ग्लोबल रिस्क रिपोर्ट, 2026 में भारत के लिए साइबर सुरक्षा को सबसे अधिक गंभीर जोखिम के रूप में चिह्नित किया है।

मुख्य बिन्दु:

वैश्विक जोखिम दृष्टिकोण:

जोखिम	स्थान
भू-आर्थिक टकराव	पहला
राज्य आधारित सशस्त्र संघर्ष व जलवायु जोखिम, सामाजिक ध्रुवीकरण	दूसरा
तकनीकी जोखिम (गलत सूचना, भ्रामक जानकारी)	पाँचवाँ
साइबर असुरक्षा	नवें

- **NOTE :** कृत्रिम बुद्धिमता (AI) प्रौद्योगिकियों के प्रतिकूल परिणाम शीर्ष 10 वैश्विक जोखिमों में शामिल हो गए है।
- **NOTE: भू-आर्थिक टकराव: -** राज्यों द्वारा भू-राजनीतिक हितों को आगे बढ़ाने और प्रतिद्वंदियों को सीमित करने के लिए व्यापार प्रतिबंध, निवेश नियंत्रण और प्रौद्योगिकी प्रतिबंध जैसे आर्थिक उपकरणों के रणनीतिक उपयोग से बहुपावाद का कमजोर व संरक्षणवाद का बढ़ना।
- **NOTE:** दीर्घकालिक (अगले 10 वर्षों में) जलवायु संबंधी जोखिम हावी रहेंगें, जिनमें चरम मौसम की घटनाएँ, जैव विविधता का नुकसान और पृथ्वी प्रणालियों में महत्त्वपूर्ण परिवर्तन शीर्ष पर है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारत का जोखिम दृष्टिकोण: वर्ष 2016 के लिए:

जोखिम	स्थान
साइबर असुरक्षा	पहला
आय और धन की असमानता	दूसरा
भारत के अन्य जोखिम: अपर्याप्त सार्वजनिक सेवाएँ और सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक मंदी, राज्य आधारित सशस्त्र संघर्ष इत्यादि।	

भारत के जोखिम प्रोफाइल हेतु सुझाव :

1. वैश्विक भू-राजनीतिक की तुलना में सामाजिक और शासन संबंधी जोखिम पर ध्यान केन्द्रित करना।
2. भारत में मजबूत डिजिटल सुरक्षा, समावेशी विकास और लचीली सार्वजनिक सेवा वितरण की आवश्यकता है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु:

भारत के जोखिम:

जोखिम	स्थान
साइबर सुरक्षा जोखिम	■ वर्ष 2025 में 369.01 मिलियन मैलवेयर का पता लगाया गया। ■ मोबाइल खतरे, साइबर अपराध का व्यावसायीकरण। ■ मैलवेयर (42%), एडवेयर (26%)।
आय व धन असमानता	■ भारत के लिए विश्व बैंक का गिनी सूचकांक लगभग 25.5 (वर्ष 2022-23), जो भारत को आय असमानता वाले देशों में रखता है। ■ ऑक्सफैम रिपोर्ट, 2022 के अनुसार शीर्ष 1% भारतीयों ने राष्ट्रीय आय का 22.6% हिस्सा हासिल किया हुआ है।

UTKARSH CLASSES उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अपर्याप्त सार्वजनिक सेवाएँ और सामाजिक सुरक्षा क्षमता	■ सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय, GDP का मात्र 1.9 प्रतिशत है। नोट:- राष्ट्रीय स्वस्थ्य नीति 2017 के तहत् वर्ष 2025 के लिए निर्धारित 2.5 प्रतिशत लक्ष्य से काफी कम है। ■ सामाजिक सुरक्षा (स्वास्थ्य को छोड़कर) पर GDP का लगभग 5 प्रतिशत व्यय होता है।
राज्य आधारित सशस्त्र संघर्ष और राजनीतिक अस्थिरता	■ वर्ष 2025 में पहलगाम हमला। ■ दिल्ली के लाल किले के पास विस्फोट। ■ सीमा पार आतंकवाद।

UTKARSH CIVIL SERVICES

उत्कर्ष Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR